COMPOSITE REGIONAL CENTRE FOR SKILL DEVELOPMENT, REHABILITATION & EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES [CRC – KOZHIKODE]
(UNDER THE ADMINISTRATIVE CONTROL OF NIEPMD, CHENNAI)
DEPARTMENT OF EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES (DIVYANGJAN)
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT, GOVERNMENT OF INDIA
IMHANS CAMPUS, MEDICAL COLLEGE PO KOZHIKODE KERALA 673008

Department of Speech & Hearing CRC Kozhikode

आओ श्रवण प्रशिक्षण के खेल खेले Awareness Part 1

प्रशिक्षण के निम्न लिखित क्रम होते है

बधिर बच्चा कान की मशीन / कोच्लेर इम्प्लांट लगाने के बाद से ही वातावरण में मव्जूद आवाजो को सुनने लगता है पर इन आवाजो का अर्थ तथा किस प्रकार बात चित करने में उपयोग करना चाहिए बच्चे को पता नहीं होता. इसलिए श्रवण प्रशिक्षण को ठीक क्रम में सीखना बहुत जरुरी है.

श्रवण प्रशिक्षण क्रम

१ . आवाज होने को महसूस करना

२. दो आवाजो में विभिन्ता पहचानना

३. आवाज का पहचानना

४ . आवाज को समझना

वातावरण में मव्जूद आवाजे

- जैसे की टेलीफोन की ट्रिंग ट्रिंग
- विभिन्य प्राणिओ की आवाज
- कुत्ते की भौ भौ
- बिल्ली की मैंउ मैंउ

विभिन्य वाहनों की आवाज

- बस की पाव पाव
- कार की तर्रार तर्रार

- आवाज को सुनने के माध्यम से सीखना
- सुनाई देने की क्षमता का भर पुर उपयोग करना
- बच्चे को स्पष्ट / ठीक से सुनना
- नैसर्गिक सामान्य तरीके से बच्चे से बात करना
- पालक की भूमिका शिक्षक की तौर से

अगर आपके बच्चे में **श्रवण विकलांगता** लक्षण दिखाई दे तो आप तुरंत श्रवण विशेषज्ञ से मिल कर उचित जाच से मन के संकोच को दूर करे.

द्वारा तैयार: श्री शिवराज लालदास भीमटे सहेयक प्रोफेसर भाषण और श्रवण सीआरसी कोझिकोड

CRC Kozhikode Product